नई शिक्षा नीति 2020 पर आधारित संशोधित चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम
शैक्षणिक वर्ष 2022–2023 से

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखण्ड
विषय –संस्कृत

Credit:4	Year- First वर्ष–प्रथम	Semester-II समसत्र–द्वितीय
Full. Marks : 75+25=100	Paper- Major Paper-02, Code- MJ-02 Passing Marks: 40	

संस्कृत व्याकरण एवं त्रिमुनि वैयाकरण

Course outcomes: अधिगम उपलब्धियाँः–

- संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
- व्याकरण–परक शब्दों की सिद्धि–प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे।
- व्याकरण–शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य–विन्यास–कौशल का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थी में अनुवाद–कला का विकास होगा।

Unit इकाई	Topics पाठ्य–विषय	No. of Lectures व्याख्यान–संख्या
इकाई –1	संस्कृत व्याकरण का सामान्य परिचय(व्याकरण की परिभाषा एवं प्रयोजन)	10
इकाई –2	संस्कृत त्रिमुनि वैयाकरण (पाणिनी, कात्यायन एवं पतंजलि) के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय	20
इकाई –3	संस्कृत वाक्य–रचना में शब्दरूप एवं धातुरूप का महत्त्व शब्दरूप–बालक, लता, नदी, फल, अस्मद्, धेनु, युष्मद्, सर्व, मातृ धातुरूप–लट्, लङ्, लृट, लोट्, विधिलिंग लकार में– गम्, पठ्, पच्,भू, कृ, अस्, सेव	20
इकाई –4	अनुवाद – हिन्दी से संस्कृत संस्कृत से हिन्दी	10

सामान्य अनुदेश			
समय – 3 घंटे	पूर्णांक – 75		अंक विभाजन
अंतिम समसत्र परीक्षा पूर्णांक 75	A	(i) बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर	5x1=05
		(ii) लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर	5x1=05
		(iii) लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर	5x1=05
	B	(iv) दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर	15x4=60
मध्यावधि आंतरिक परीक्षा पूर्णांक 25		लिखित परीक्षा	5x1=05 1x5=05
		अधिन्यास (असाइन्मेन्ट)	1x10=10
		उपस्थिति	05
			75+25=100

संस्तुत ग्रन्थ–

- अनुवाद चन्द्रिका, डॉ. रमाकान्त त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी।
- रचना अनुवाद कौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललित कुमार मंडल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली।
- संस्कृत व्याकरण, श्रीधर वशिष्ठ।

नई शिक्षा नीति 2020 पर आधारित संशोधित चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम
शैक्षणिक वर्ष 2022–2023 से

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखण्ड
विषय –संस्कृत

Credit:4	Year-First वर्ष–प्रथम	Semester-II समसत्र–द्वितीय
Full. Marks : 75+25=100	Paper- Major Paper-03, Code- MJ-03 Passing Marks: 40	

संस्कृत पद्य साहित्य

Course outcomes: अधिगम उपलब्धियाँः–

- विधार्थी संस्कृत महाकाव्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी संस्कृत पद्य–साहित्य की सुगीतात्मकता का सौन्दर्यबोध कर सकेंगे।
- उन काव्यों में प्रयुक्त रस, छन्द, अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
- पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
- विद्यार्थी के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ–साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण होंगे।

Unit इकाई	Topics पाठ्य–विषय	No. of Lectures व्याख्यान–संख्या
इकाई –1	किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) अनुवाद, हिन्दी व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न	30
इकाई–2	शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग) अनुवाद, हिन्दी व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न	30

सामान्य अनुदेश			
समय – 3 घंटे	पूर्णांक – 75		अंक विभाजन
अंतिम समसत्र परीक्षा पूर्णांक 75	**A**	(i) बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर	**5x1=05**
		(ii) लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर (iii) लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर	**5x1=05** **5x1=05**
	B	(iv) दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर	**15x4=60**
मध्यावधि आंतरिक परीक्षा पूर्णांक 25		लिखित परीक्षा	**5x1=05** **1x5=05**
		अधिन्यास (असाइन्मेन्ट)	**1x10=10**
		उपस्थिति	**05**
			75+25=100

संस्तुत ग्रन्थ–

- **किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ. राजेन्द्र मिश्र, अक्षयंवट प्रकाशन, इलाहाबाद।**
- **किरातार्जृनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ. जनार्दन शास्त्री मोतीलाल बनारसीदास, पब्लिकेशन दिल्ली।**
- **किरातार्जृनीयम् महाकाव्य,श्री रामप्रताप त्रिपाठी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।**
- **शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग), व्याख्याकार –आचार्य कृष्णकुमार अवस्थी, सम्पादक–तारिणीश झा, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।**

।